26 अप आइलैण्ड एक्सप्रेस का कुरुक्षेत्र में पटरी से उतर जाना

2094. श्री शारदानन्द :
श्री जि० ब० सिंह :

क्या रेलवे मंत्री 22 मई, 1967 को सभा में दिये गये अपने वक्तव्य के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 21 मई, 1967 को कुरुक्षेत्र स्टेशन पर गाड़ी संख्या 26 अप आइलैण्ड एक्सप्रेस के पटरी से उतर जाने के बारे में की जा रही जांच अब पूरी हो गई है;

(ख) यदि हां, तो जांच में दुर्घटना होने के क्या कारण बताये गये हैं; और

(ग) इससे रेलवे सम्पत्ति की अनुमानतः कितनी हानि हुई है तथा सरकार ने दुर्घटना में मारे गये लोगों के परिवारों को किस रूप में सहायता दी है ?

रेलवे मन्त्री (श्री के० मु० पुनाचा) : (क) और (ख). रेल संरक्षा के बेंगलूरु स्थित अपर आयुक्त ने इस दुर्घटना की विधिक जांच की थी और उन्होंने अपनी प्रारम्भिक रिपोर्ट दे दी है। उनके अनन्तिम निष्कर्ष के अनुसार दुर्घटना गाड़ी के निर्वात ब्रेक उपस्कर में खराबी हो जाने के कारण हुई।

मदनपल्ली के उप नियंत्रक और उपमंडल मजिस्ट्रेट ने भी इस दुर्घटना की जांच की है। उसकी रिपोर्ट अभी नहीं मिली है।

(ग) रेल सम्पत्ति को लगभग 4,52,550 रुपये की क्षति पहुंचने का अनुमान लगाया गया है।

मृत व्यक्तियों के सगे-सम्बन्धियों को अनुग्रह रूप में 13,600 रुपये दिये गये हैं। क्षतिपूर्ति के दावों का न्याय-निर्णय तदर्थ दावा आयुक्त द्वारा दावे प्राप्त होने पर किया जायेगा। अभी तक कोई दावा नहीं मिला है।

Clerks of Railway Schools at Danapur and Moghalsarai

2095. **Shri R. Shastri:**
Shri Arjun Singh Bhadoria:
Shri S. M. Joshi:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether the clerks in various Railway Schools are treated on par with the clerks of other Departments of the Railways;

(b) whether it is a fact that the Clerks of Railway Schools of Danapur and Moghalsarai were not treated at par with Clerks in other Departments of the Railways for promotion by virtue of their seniority;

(c) if so, the reasons therefor; and

(d) the reasons for not giving them due promotion prior to 1956 in accordance with the Railway Board's order issued on 11th May, 1935, like other Clerks?

The Minister of Railways Shri C. M. Poonacha): (a) to (d). The information is being collected and will be placed on the table of the House.

खादी कपड़े का निर्यात

2096. श्री रामचन्द्र वीरप्पा : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या खादी कपड़े के निर्यात की सम्भावनाओं का पता लगाने के लिये कोई सर्वेक्षण किया गया है;

(ख) यदि हां, तो उस का क्या परिणाम रहा है; और

(ग) खादी कपड़े का निर्यात बढ़ाने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वाणिज्य मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री शाकी कुरैशी : (क) जी, हां।